आईआईटी-आईआईएम मिलकर बनाएंगे 'सीईओ'

संवाददाता, कानपुर

भारत ने जापान की मदद से उत्पादन क्षेत्र में भी छा जाने की पहल की है। इसके लिए जरूरी मुख्य अधिशासी (सीईओ) बनाने का जिम्मा नगर के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) व कोलकाता के भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) को सौंपा गया है।

इस बाबत 'मॉड्यूल' व पूरी परियोजना के लिए माह भीतर हुई दूसरी बैठक के बाद आईआईटी निदेशक प्रो.संजय गोविंद धाण्डे ने बताया कि उत्पादन क्षेत्र में नेतृत्व विकसित करने के लिए यह सोलह महीने का पाठ्यक्रम शुरू होगा और तीन साल के भीतर ढाई सौ सीईओ तैयार करने का लक्ष्य है। इसके अंतर्गत आईआईटी में चार विशेष प्रयोगशालाएं बनाई जाएंगी। इस परियोजना को शुरू किया गया है। इसमें प्रवेश के लिए इंजीनियरिंग स्नातक उपाधि के साथ सात से दस वर्ष का अनुभव जरूरी होगा। पचास प्रबंधकों का पहला बैच जुलाई से

प्रेस वार्ता में निदेशक प्रो. एसजी धाण्डे व अन्य। जागरण

जापान करेगा मदद

- उत्पादन क्षेत्र में छा जाने की मशक्कत
- 50 प्रबंधकों का पहला बैच जुलाई से
- अमेरिकी तर्ज पर विकसित हो देशप्रेम
- उद्योगों व संस्थानों में बढ़ेगा सहयोग

विकसित करने का जिम्मा अमेरिका के विश्वविद्यालय एमआईटी के शिक्षक रहे प्रो.शोजी शिबा ने संभाला है, जो अमेरिका में ऐसे ही अभियान पर काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इंजीनियर्स देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत थे और वे अपने प्रतिस्पर्द्धी से भी सीखना चाहते थे। उद्योगों ने भी वहाँ भुगतान की पहल की थी, जिससे स्थितियों में बदलाव साफ दिखा।

भारत में इस परियोजना के माध्यम से उद्योगों व शैक्षिक संस्थानों में सहयोग बढ़ेगा और दूरदृष्टि वाला नेतृत्व विकसित हो सकेगा। युवाओं में देशप्रेम का भाव भी जगाना होगा। चीन भी इस दिशा में बहुत गंभीर है, जो भारत के लिए चुनौती बना है।

आईआईएम कोलकाता के निदेशक प्रो.शेखर चौधरी ने कहा कि उद्योगों व संस्थानों के बीच समन्वय न हुआ तो उद्योग नहीं बचेंगे। समय के साथ बदलकर छोटी कंपनियां बनाने की पहल भी करनी होगी। उन्होंने कहा कि भारत में उद्योगों के बंद होने के पीछे बड़ा कारण नेतृत्व की क्षमता विकसित होने व तदनुरूप गतिशीलता न होने की कमी मूल कारण है।

इसे दूर होना चाहिए। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने बताया कि इस समय उत्पादन क्षेत्र में 12 फीसदी प्रतिवर्ष प्रगति का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके साथ रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकेंगे। इस पाठ्यक्रम को अंतिम रूप देने में इसीलिए सीआईआई सक्रिय है। इस दौरान जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) के प्रतिनिधि काबोची भी मौजूद रहे।

चिह्नित कार्य क्षेत्र

टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग, आयल, ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, स्टील, केमिकल, हैंडीक्राफ्ट, जेम-ज्वैलरी।